बड़े बेदर्द बालमा-3

“उसकी गांड के छेद पर मैंने अपनी उंगलियाँ फिराई, वो बिफर पड़ी, वो बोली- वहाँ मुंह मत लगाना प्लीज़… वो गन्दी जगह है। मैंने उसे कहा- मेरी रानी, औरत के शरीर का कोई भी हिस्सा गंदा या खराब नहीं होता है… …”

Story By: अरुण (akm99502)
Posted: Monday, June 23rd, 2014
Categories: इंडियन बीवी की चुदाई
Online version: बड़े बेदर्द बालमा-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बड़े बेदर्द बालमा-3

अब वो बहुत ज्यादा उत्तेजित हो चली थी क्योंकि उसकी शरारतें, हंसी मज़ाक सब गायब हो चुका था, उसकी आँखों में लाल लाल डोरे से तैर आये थे,
उसकी चूत भी अब पानी छोड़ने लगी थी।

इधर मेरा लंड भी कच्छे के अंदर फंसा घुटने लगा था, वो भी इस नज़ारे का दीदार करना चाहता था।
मेरी खुद की चड्डी की रगड़ से ही कहीं फव्वारा न छूट जाए, इस डर से मैंने अपने भी कपड़े उतारने का निर्णय किया और उससे अलग होकर अपना पायजामा, टी शर्ट और फिर बनियान और अंत में चड्डी भी उतार कर अपने आप को भी पूर्णतया नग्न कर लिया।

इसके बाद के अपने सनसनी खेज और उत्तेजक काम को अंजाम देने के लिए उसकी और बढ़ चला !
इस समय पलंग का दृश्य देखने लायक था, वो लाचार असहाय स्थिति में पूर्ण निर्वस्त्र मेरे सामने थी उसके नंगे जिस्म में एक उत्तेजक कसावट सी आ गई थी।

अब मैं उसके नज़दीक आया और उसके रस्सी से बंधे और चिमटी लगे उरोज को सहलाया, उसकी सिसकारी निकल गई।
फिर अपने हाथ से उसके निप्पल वाली चिमटी पर कैरम के स्ट्राइकर को जैसे हिट करते है, ऐसे किया, वो पूरी सिहर उठी।
और फ़िर ऐसी ही स्ट्राइक उसके चूत के होंठों में फसी चिमटियों के साथ भी किया।

मैंने पहले ही खूब सारी रस्सियों को बराबर काट कर उन्हें एक डंडे में बाँध के झाड़ू या झाड़न जैसी बना लिया था, उससे उसके नंगे जिस्म पर उत्तेजक प्रहार करने शुरू किये,

पहले धीरे धीरे फिर जब उसकी सहने की क्षमता पता चल गई तो थोड़े ज़ोर ज़ोर से !
ऊऊह… हह… अह्ह… ह्ह्ह्ह… हाआय्य्य… य्य्यईईई… जैसी उसकी सीत्कारों से माहौल और कामुक और उत्तेजक होता गया।
फ़िर उसके कसे बंधे वक्ष स्थल पर सब तरफ से पिटाई जैसी करने लगा, उसके बाद उसके बांह के नीचे कांख में वार किये !
दोस्तो, यहाँ एक बार फिर में आप लोगों को बता दूँ कि मेरा मकसद उसे प्रताड़ित करना या पीटने का बिल्कुल नहीं था, यह केवल मेरी उन बहुत सी उत्तेजक फैन्टसी में से ही एक थी जो मैंने सोच के रखीं हुई थी क्योंकि ये सब करते हुए भी मुझे उस पर खूब प्यार आ रहा था और मैं उसे बीच बीच में चूम भी लेता था।

आह्ह… ह्ह… ओह्ह… की उसकी सिसकारियों के बीच अब वो अपने जाँघों को भी ऊपर नीचे करने लगी थी और हल्की सी नशीली आवाज में वो बोली-
अरुण ओह्ह… ह्ह… अरुण मेरी पूपू में तो नहीं मारोगे ना ?
(वो चूत को हमेशा पूपू ही बोलती है)

मुझे उसका इशारा मिल गया था, समझदार सेक्स पार्टनर वो ही होता है जो अपनी फीमेल पार्टनर के इशारों को समझ जाए !
मैंने कहा- सॉरी रानी… इसे भी पीटना तो पड़ेगा… यह भी बहुत भाव खाती है, और मेरे लंड को बहुत तरसाती है।
और अब मैंने उसकी पूपू पर भी मारना शुरू किया, जांघों पर और बीच में सब जगह, कभी धीरे धीरे, कभी अचानक तेज़।
उसकी चिल्लाहट और ज्यादा तेज़ और कामुक होती चली गई अब उसकी पूपू भी और ज्यादा गीली हो चली थी क्योंकि मेरे रस्सियों के छोर भी अब गीले होने लगे थे उसकी चूत के रस से !

वो चिल्लाई- क्या सब कुछ आगे ही आगे करते रहोगे यार ? बहुत दर्द दे दिया यार !
अब मुझे उसकी यह बात तो माननी ही थी क्योंकि यह सब मैं उसे यौन-सुख देने के लिए ही तो कर रहा था।
अब मैंने उसके दोनों पैर खोल दिए, उसके पैरों, भारी भरकम कूल्हो को उठाया, और पैर के पंजों में अभी भी फंसी हुई रस्सी को उसके सिरहाने वाले हिस्सों में दोनों तरफ खूब खींच कर बाँध दिया।

यह एक ऐसी स्थिति थी जिसका उसने पुरज़ोर विरोध किया क्योंकि अब वो निहायत ही अश्लील और भद्दी स्थिति में आ गई थी।
पाठको, कृपया इस स्थिति को अपने मन में सोचते हुए आगे पढ़ना, मैं भी अब गंदे शब्दों का प्रयोग करते हुए ही लिखूंगा।
मेरी बीवी के चूतड़ यानि गाण्ड पूरे ऊंचे और हवा में हो गए थे और चूंकि मैंने उसके पैरों के पंजों को पलंग के दोनों सिरों पर बाँधा था, उसकी चूत भी चौड़ी होकर खुल गई थी, साथ ही साथ उसकी गांड का छेद और उसकी सलवटें भी अब साफ़ साफ़ दिखाई दे रही थी।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।
उसकी गांड के छेद पर मैंने अपनी उंगलियाँ फिराई, वो बिफर पड़ी, वो बोली- वहाँ मुंह मत लगाना प्लीज़… वो गन्दी जगह है।
मैंने उसे कहा- मेरी रानी, औरत के शरीर का कोई भी हिस्सा गंदा या खराब नहीं होता है… सब कुछ बहुत प्यारा प्यारा और सुंदर होता है।

और यह कहते हुए मैं उसके गोल गोल गोरे गोरे और बंधे होने से कैसे हुए चूतड़ों को सहलाने प्यार करने और चूमने लग गया।
मैंने चुम्बनों की बौछार सी कर दी लेकिन उस बदमाश ने जो डायलॉग मारा उसने मुझे चिढ़ा दिया, वो बोली- क्यूँ जी, आज तो तुम पिटाई करने वाले थे !!! क्या हुआ ?? थक

गए क्या ?

मुझे सही में गुस्सा आ गया और मैंने तड़ातड़, तड़ातड़, तड़ातड़ उसकी गांड पर चांटों और थप्पड़ों की बारिश कर दी, साथ ही उसे अब कुछ अपशब्द भी बोलने लगा- साली, कुत्ती ये ले, ये ले, और ले !
और जिन लोगों ने चूतड़ों पर चांटे मारने का मज़ा लिया है जिसे पोर्न की भाषा में स्पैंकिंग कहते है, उन्हें पता होगा की गांड की त्वचा बहुत ही संवेदनशील होती है, बहुत ही जल्दी से लाल पड़ जाती है, लेकिन अब बहुत सी लड़कियाँ इसे पसंद भी करती हैं, इसलिए ये सब बर्दाश्त भी कर लेती हैं।

मेरी बीवी के नंगे चूतड़ों पर भी मैं उसके सहने जैसे ही चांटे मार रहा था, फिर भी कुछ ही देर में उसके चूतड़ लाल गुलाबी हो गए !
और दोस्तो, मेरे और मेरी पत्नी के इस खेल में दो लोग बेचारे परेशान हो रहे थे, उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर यह हो क्या रहा है।

ये दो लोग थे, एक तो मेरा लण्ड जो तनतना के हथोड़ा बना हुआ था और उसमें दर्द भी होने लगा था। और दूसरी थी मेरी बीवी की चूत जो मेरे लंड के इंतज़ार में पानी बहाये जा रही थी।
आखिर मेरी बीवी बोली- अरुण प्लीज़… अब जल्दी से खोलो यार, मुझ से रहा नहीं जा रहा, अब तो बस जल्दी से करते हैं, मैं पागल हो जाऊँगी वरना !

दोस्तो, सही बताऊँ, मरा तो मैं भी जा रहा था उसे चोदने के लिए क्योंकि चुदाई में खतरा मर्द को ही ज्यादा होता है, कि कहीं घुसाने से पहले ही डिस्चार्ज हो गया तो लड़की के आगे बहुत शर्मिन्दा होना पड़ता है और डिस्चार्ज के साथ ही एक बार तो सेक्स का पूरा खुमार भी उतर जाता है।

लेकिन आज मैं उसकी पहल का इंतज़ार कर रहा था, फिर भी मैंने उसके आगे नाटक करते हुए कहा- क्या यार, अभी से ?
वो बोली- हाँ यार… अब मुझ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं हो रहा, प्लीज़ जल्दी खोलो यार… अब दर्द भी हो रहा है और तुमने मेरे कूल्हे भी गर्म कर दिए हैं।

और मैं भी यही चाहता था, मैंने उसके बंधन खोलने शुरू कर दिए, एक एक कर के वो खुलती गई लेकिन मैंने उसे कहा- यार, मेरे तो अभी आधे औज़ार भी काम नहीं आये जो मैंने तुम्हारे लिए सहेज के रखे थे।
मैंने उसे अपना वो सेक्स टॉर्चर वाला बॉक्स दिखाया, उसने भी उस बॉक्स में देखते हुए मुझे अपने जवाब से लाजवाब कर दिया, बोली- यार अरुण, फिर कभी… आज मेरी टॉर्चर क्लास का पहला ही दिन तो है !

यह सुन कर मुझे मज़ा आ गया।
और फिर उसने मेरे लंड को सहलाते हुए चूमते हुए कहा- इस बेचारे की भी तो सोचो !
वह बेड पर पैर पसार कर चूत फैला कर लेट गई और मेरे लंड को सम्बोधित करते हुए बोली- आजा मेरे राजा, तेरी रानी तेरा ही इंतज़ार कर रही है !

और फिर जैसा कि मज़ाक करने की उसकी नेचर है, बोली- और देख संभल के जाइयो, आज वहाँ बहुत फिसलन है।
और मैं अपनी हंसी रोक नहीं सका, जल्दी ही मेरा लंड उसकी चूत में और मैं उसके ऊपर !
वो मुझे अपनी बाहों में कसते हुए बोली- अरुण, यू आर जीनियस, तुम्हें मज़ा आया ?
मैंने कहा- हाँ बहुत !और तुम्हें ?
वो बोली- बहुत ज्यादा !
और हमारे सम्भोग के हिचकोले शुरू हो गये।

सम्भोग का समय बढ़ाने के लिए मैं अपनी पत्नी को सेक्सी बातों में व्यस्त रखता हूँ, मैंने

कहा- जानू, विदेशों में तो ऐसे सेक्सुअल टॉर्चर सेंटर होते हैं जहाँ लड़कियाँ, औरतें बाकायदा पैसे देकर इस फेंटेसी के मज़े लेने जाती हैं।
वो आहें भरती हुई बोली- ऐसा करो… इंडिया में तुम खोल लो ऐसा एक सेंटर, तुम्हें आइडिया भी कुछ ज्यादा ही आते हैं।
और हमारी रफ़्तार, आहें और आवाजें दोनों ही तेज़ हो गई और हमारा सेक्स और दिनों के मुकाबले बहुत ज्यादा उत्तेजक रहा।
तो दोस्तो, केसा रहा यह किस्सा !?!

मेरा अनुरोध है कि कृपया इसे तकलीफ पहुचाने के लिए कभी मत करना, नारी इस दुनिया में सबसे नायाब होती है, उसका सम्मान करना चाहिए, उसे वस्तु नहीं अपना सौभाग्य समझना चाहिए।
और अपनी सेक्स और व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए या सेक्स, फॉरप्ले पर चर्चा के लिए मुझे मेल करते रहिये।
आपका अरुण
akm99502@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाई बहनों की चुदक्कड़ टोली-1

दोस्तो, मेरा नाम हिरेन है. आज मैं अपनी चुदक्कड़ बहनों के बारे में आपको बताना चाहता हूं। मैं गुजरात से हूं और एक सरकारी स्कूल में जॉब करता हूं। मेरे परिवार में तीन बहनें हैं और मैं अकेला भाई। मेरी […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. […]
Full Story >>>

मौसी की बेटी ने चुदाई का मजा दिया

सभी को मेरा नमस्ते, मेरा नाम रॉकी है, मेरी उम्र चौबीस साल है और मैं महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना का रोजाना सेक्स कहानियां पढ़ लेता हूँ. मेरी ये कहानी दो साल पुरानी है. मतलब जब मैं बाइस […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-9

अभी तक आपने पढ़ा कि मैंने अपनी बहन की चुदाई के कारण हुई थकान के चलते उसकी मालिश की. उसी मालिश के दौरान एक बार मैंने उसकी फड़फड़ाती चूत को चूस कर झाड़ दिया था और उसका रस चाट लिया […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-11

इस सेक्सी स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि नम्रता मेरे साथ मेरे घर आ चुकी थी और हम दोनों मेरे घर के बेडरूम में चुदाई के पहले का खेल खेलने लगे थे. अब आगे : फिर मैंने उसके पैरों के […]
Full Story >>>